1. Induction Programme: Research and Publication Ethics Course for newly admitted PhD Scholars of the academic year 2023-24 (Winter Session).

   (Date: 5th April 2024)

अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का अभिप्रेरण कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 5 अप्रैल (परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शुक्रवार को 'अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता' का अभिप्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया।

अभिप्रेरण कार्यक्रम का उद्देश्य पाठ्यक्रम के महत्त्व से शोधर्थियों को अवगत कराना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 50 से अधिक पीएचडी शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। पुस्तकालय अध्यक्ष और पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. संतोष सीएच ने बताया कि रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम है। उन्होंने इस आयोजन हेतु सहयोग व मार्गदर्शन के लिए कुलपति का आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने शोधार्थियों को पुस्तकालय व उसके संसाधनों के बारे में जानकारी दी। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जा रही साहित्यिक चोरी सेवाओं के बारे में जानकारी दी जबकि सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष नरेश कुमार ने विभिन्न ई-संसाधनों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने शोधार्थियों को आईसीटी से संबंधित सेवाओं के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में शोधार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

नवोदय टाइम्स Sat, 06 April 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74863793

Research and Publication Ethics course for PhD students begins at CUH

April 05, 2024 06:17 PM

Mahendergarh, 05.04.24-Pandit Deendayal Upadhyaya Central Library, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh conducted the induction programme of "Research and Publication Ethics" Course on 5th April, 2024. The purpose of the induction programme was to introduce the course curriculum and importance of course while pursuing PhD. More than fifty PhD scholars from various Departments of the University participated who are pursuing the Course.

In 2019-20, UGC mandated all higher education institutes to organise a two-credit "Research and Publication Ethics" course for PhD students as part of their PhD Course Work. This course covers all the basic concepts related to research ethics, scientific conduct, publication misconduct, avoidance of plagiarism, research tools, etc. The course intends to inculcate the ethical values in carrying out research and publishing activities. At Central University of Haryana, the Central Library conducts the Course centrally for PhD students of all Departments and has successfully completed four batches since 2020-21.

The University Librarian and Coordinator of the Course, Dr. Santosh C. H. thanked the Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar for his support and encouragement for organising the Course for the PhD students of 2023-24 (winter session). In the induction programme, he shared all necessary details and instructions related to the Course. Dr. Rajeev Vashistha, Deputy Librarian informed the PhD students about the library services and its resources offered by the Central Library. Dr. Vinod Kumar Singh, Assistant Librarian, oriented about the plagiarism services being provided by the Library whereas Mr. Naresh Kumar, Assistant Librarian introduced various e-resources subscribed by the Library. Dr. Vinita Malik, Information Scientist, oriented the students about the ICT related services and also anchored the program. The PhD students interacted with the Library team and cleared their doubts.

शोधार्थियों को पाठ्यक्रम के महत्व से कराया अवगत

अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पाठ्यक्रम का अभिप्रेरण कार्यक्रम आयोजित

अभिप्रेरण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते हकेंवि पुस्तकालयाध्यक। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि, महेंद्रगढ़ की पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शुक्रवार को अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता का अभिप्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया।

इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम के महत्त्व से शोधार्थियों को अवगत कराना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 50 से अधिक पीएचडी शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। शोधार्थियों को पाठ्यक्रम के महत्व से कराया अवगत कराया गया।

पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. संतोष सी एच ने बताया कि रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स का यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित दो क्रेडिट का अनिवार्य पाठ्यक्रम है। उन्होंने इस आयोजन के लिए सहयोग व मार्गदर्शन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्रोत्साहन से ही यह आयोजन संभव हो पा रहा है।

विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने शोधार्थियों को पुस्तकालय व उसके संसाधनों के बारे में जानकारी दी। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जा रही साहित्यिक चोरी सेवाओं के बारे में जानकारी दी। सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश ने विभिन्न ई-संसाधनों पर विस्तार से प्रकाश डाला।